

को पेश होना

२०/७/२२

पत्रावली पेश हुई वकील पक्षकारान
उपस्थित ही बहस प्रापक ग.प. सुनी
गई पत्रावली वान्ति प्रदेश दिनांक
२७/७/२२ को पेश हो।

२७/७/२२

पत्रावली पेश हुई वकील पक्षकारान
उपस्थित ही बहस प्रापक ग.प. में
वकील पक्षकारान ने अपने प्रार्थना
पत्र एवं जवाब प्रार्थना पत्र में वर्णित
तथ्यों को दोहराया। जमाबंदी रिकार्ड
के अनुसार विवादित आराजी ग्राम
नैतवां प्रथम की खाता संख्या ६५६७

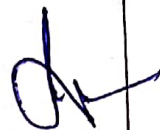
३५५३

शुक्रवा ०.०७१। हेक्टेयर भूमि पर अणुकी
संख्या १ शांति पुत्री देवचंद माली
खातेदार दर्ज रिकार्ड ही वकील प्रार्थना
ने अपनी याचना में प्रत्यापीति के
विरुद्ध अस्थायी निषेधाज्ञा से पाबंद
किये जाने हेतु निवेदन किया तथा
निवेदन किया कि रिकार्ड एवं मीटिंग की
व्यवस्थाति तर्कसला वाद बनायी रखी जावे

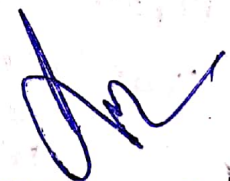


(Handwritten signature)

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
	<p>जवाब-प्रार्थना पत्र में वकील अर्पणिया ने निवेदन किया कि अर्पणिया शांति के अनपढ़ एवं बूढ़ महिला होने के कारण फर्जी एवं छुटरहित दस्तावेज तैयार करवा लिये है तो वह प्रभाव शून्य है। अर्पणिया ने कम्पनी खसरा नम्बर 3553, 3569 का बैचान प्रार्थिगण व लादूलाल के पक्ष में नहीं किया। अर्पणिया लगातार मौके पर काबिज करत है। अर्पणिया ने कम्पनी प्रार्थिगण को कब्जा नहीं संभलाया है। अर्पणिया ने दिनांक 26/5/2021 को रजिस्टर्ड बैचान अर्पणिया से. 2 के हक में कर कब्जा संभलाया है। तब से अर्पणिया से. 2 मौके पर बहिंसियत खातेदार काबिज करत है। अतः निवेदन किया कि प्रार्थिगण का प्रार्थना पत्र खारिज फरमाया जावे।</p> <p>हमने प्रार्थना पत्र, शपथ-पत्र, रिकार्ड दस्तावेज, जवाब अर्पणिया तथा वकील पक्षकारान की बहस पर मनन किया। प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 212 RP Act के तहत अस्थायी निषेधाज्ञा के सम्बन्ध में है। वर्तमान में अर्पणिया खरबा 1 रिकार्ड खातेदार दर्ज है। इस प्रार्थना पत्र में अस्थायी निषेधाज्ञा के सम्बन्ध में निर्णय किया जाना है। अर्पणिया रिकार्ड खातेदार है, इसलिए प्रथम दृष्टया केस अर्पणिया के पक्ष में साबित होता है। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 के प्रावधानों के अनुसार एवं राजस्व मण्डल द्वारा निर्मित प्रकरणों में अभिनिर्धारित सिद्धान्तों के अनुसार रिकार्ड खातेदार के विरुद्ध आदेश प्राप्त नहीं कर सकते हैं। अतः अपूर्णनीय है।</p>	



<p>तारीख हुकम</p>	<p>हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज</p>	<p>नम्बर व अहकाम हुकम की में जारी हु</p>
	<p>एवं सुविधा सन्तुलन का बिन्दु श्री अपार्थिगण के पक्ष में साबित होता है। उक्त विवेचन के आधार पर अपार्थिगण का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 212 एच सीए अस्वीकार किया जाता है। प्रार्थना पत्र में दिनांक 01/11/2021 को जारी अन्तरिम अस्थायी निषेधाज्ञा खारिज करते हुए प्रार्थना पत्र खारिज किया जाता है। नियति खुले न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली बाद तकमील मूल वाद के साथ संलग्न रहे।</p>	


उपखण्ड अधिकारी
नैनवां (पुन्वी)